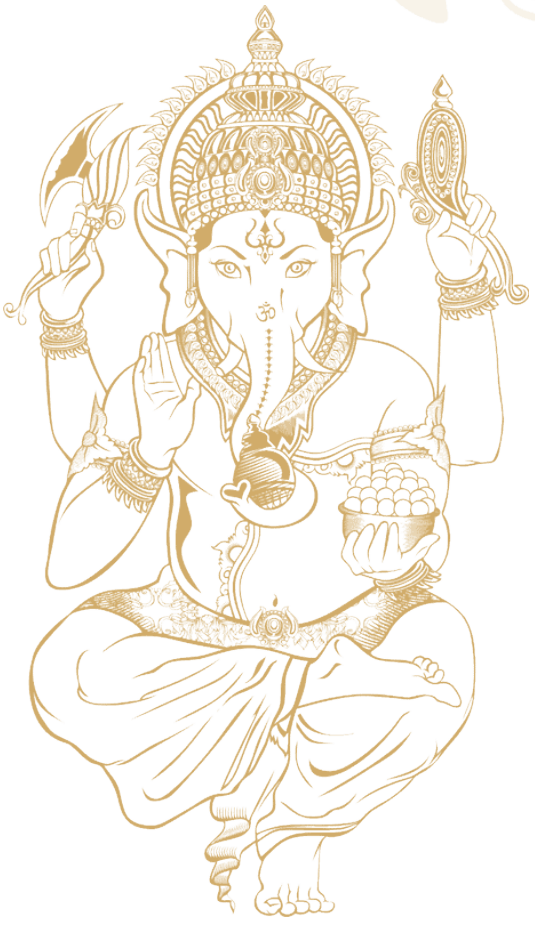

Pratyaksh

06 Mar 2001

09:29 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121860107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/03/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:29:00 घंटे**
इष्ट	06:59:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:18 घंटे
साम्पातिक काल	20:03:42 घंटे
सूर्योदय	06:41:20 घंटे
सूर्यास्त	18:23:55 घंटे
दिनमान	11:42:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	21:46:30 कुम्भ
लग्न के अंश	18:10:44 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	18:10:44	447:40:16	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	21:46:30	01:00:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	02:08:57	14:37:51	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	15:49:01	00:28:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध			मक	24:57:22	00:43:55	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु			वृष	09:52:10	00:07:18	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	23:41:35	00:06:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	01:39:23	00:04:13	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:42:23	00:01:29	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:42:23	00:01:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:20:55	00:03:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:47:15	00:01:54	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:22:12	00:00:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मक	04:55:17	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:09

लग्न-चलित

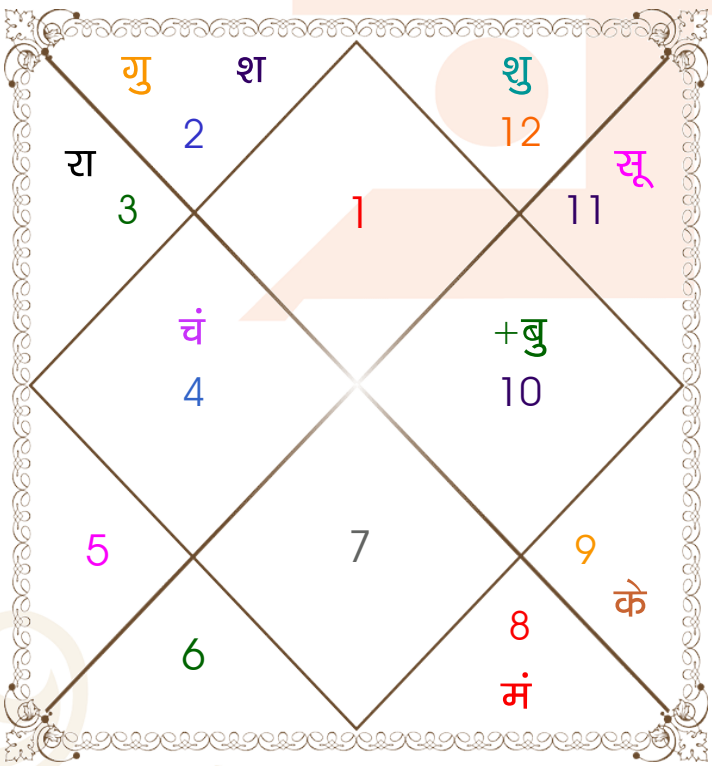

चन्द्र कुंडली

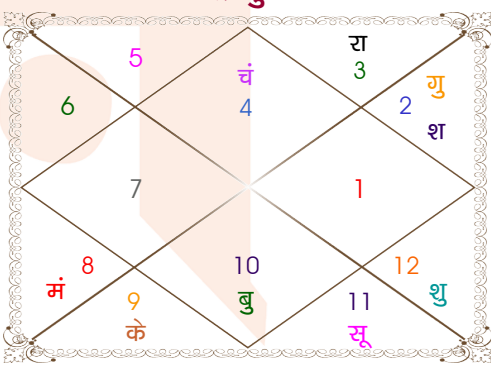

नवमांश कुंडली

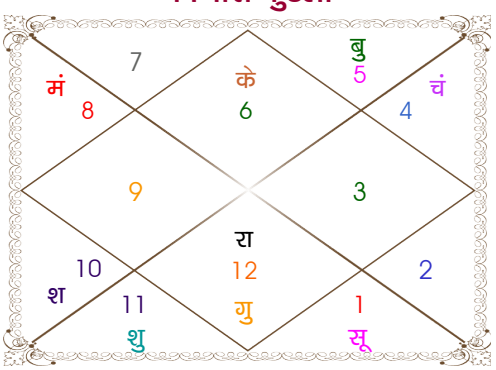

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 5 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/03/2001		07/08/2002		07/08/2021		07/08/2038		07/08/2045	
07/08/2002		07/08/2021		07/08/2038		07/08/2045		07/08/2065	
	00/00/0000	शनि	10/08/2005	बुध	03/01/2024	केतु	03/01/2039	शुक्र	06/12/2048
	00/00/0000	बुध	19/04/2008	केतु	30/12/2024	शुक्र	04/03/2040	सूर्य	06/12/2049
	00/00/0000	केतु	29/05/2009	शुक्र	31/10/2027	सूर्य	10/07/2040	चंद्र	07/08/2051
	00/00/0000	शुक्र	28/07/2012	सूर्य	06/09/2028	चंद्र	08/02/2041	मंगल	06/10/2052
	00/00/0000	सूर्य	10/07/2013	चंद्र	05/02/2030	मंगल	07/07/2041	राहु	07/10/2055
	00/00/0000	चंद्र	09/02/2015	मंगल	02/02/2031	राहु	26/07/2042	गुरु	07/06/2058
	00/00/0000	मंगल	19/03/2016	राहु	22/08/2033	गुरु	02/07/2043	शनि	07/08/2061
	06/03/2001	राहु	24/01/2019	गुरु	28/11/2035	शनि	09/08/2044	बुध	07/06/2064
राहु	07/08/2002	गुरु	07/08/2021	शनि	07/08/2038	बुध	07/08/2045	केतु	07/08/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/08/2065		07/08/2071		07/08/2081		06/08/2088		08/08/2106	
07/08/2071		07/08/2081		06/08/2088		08/08/2106		07/03/2121	
सूर्य	24/11/2065	चंद्र	07/06/2072	मंगल	03/01/2082	राहु	20/04/2091	गुरु	25/09/2108
चंद्र	26/05/2066	मंगल	06/01/2073	राहु	21/01/2083	गुरु	12/09/2093	शनि	08/04/2111
मंगल	01/10/2066	राहु	07/07/2074	गुरु	28/12/2083	शनि	19/07/2096	बुध	14/07/2113
राहु	25/08/2067	गुरु	06/11/2075	शनि	05/02/2085	बुध	06/02/2099	केतु	20/06/2114
गुरु	13/06/2068	शनि	07/06/2077	बुध	02/02/2086	केतु	24/02/2100	शुक्र	18/02/2117
शनि	26/05/2069	बुध	06/11/2078	केतु	01/07/2086	शुक्र	25/02/2103	सूर्य	07/12/2117
बुध	01/04/2070	केतु	07/06/2079	शुक्र	31/08/2087	सूर्य	20/01/2104	चंद्र	08/04/2119
केतु	07/08/2070	शुक्र	05/02/2081	सूर्य	06/01/2088	चंद्र	20/07/2105	मंगल	14/03/2120
शुक्र	07/08/2071	सूर्य	07/08/2081	चंद्र	06/08/2088	मंगल	08/08/2106	राहु	07/03/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काणा में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विध्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबले (कृशकाय) कद के मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाले संयमी प्राणी हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखे आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रहा हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपकी संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी नारी के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य नारी के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देते हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नही रखते लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य व्यक्ति समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करते हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छे नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य की विचारों का कोई महत्व नहीं देतें, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझते हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाते हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेते हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान हैं, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगे तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सर्तकता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ठ शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगे। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखते हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहते हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नही है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।